सफाई कर्मियों को 5 महीने से वेतन नहीं, हड़ताल की धमकी

करनाल, (ममो) नगरपालिका कर्मचारी संघ से जुड़े कर्मचारियों ने हड़ताल की धमकी दी है। सफाई कर्मचारियों को पांच महीने से वेतन नहीं मिला है और ये मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है।

कर्मचारी नेता और संघ के प्रधान राम सिंह, प्रदेश सचिव शारदा ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने अपनी वाहवाही लूटने के लिए अधिकारियों की कोठियों पर 200 कर्मचारी सफाई के लिए भेजे हुए हैं। फिर भी नगर निगम आयुक्त यह कहते हैं कि शहर में सफाई नहीं हो रही है। सफाई सुचारू रूप से चलाने के लिए जितने भी सफाई कर्मचारी कोठियों पर लगे हुए हैं उन सभी को कोठियों से हटाया जाए और फील्ड के अंदर लगाया जाए। जो 200 कर्मचारी पेरोल पर आने से वंचित रह गए हैं उन कर्मचारियों का जल्द से जल्द समाधान हो।

नगरपालिका कर्मचारी संघ जिला करनाल के प्रधान वीरभान बिडलान ने कहा कि दो दिन के भीतर अगर प्रशासन ने इनकी सभी समस्याओं का समाधान नहीं किया तो सभी के सभी सफाई कर्मचारी हड़ताल पर जाने के लिए मजबूर होंगे। इस मौके पर ऑल हरियाणा पीडब्लयूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन के राज्य प्रधान कृष्ण शर्मा ने कर्मचारियों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पांच महीने से वेतन नहीं मिला ऐसे में कर्मचारी मानसिक तौर परेशान हो चुका है। इससे पूर्व नगरपालिका कर्मचारी संघ से जुड़े कर्मचारियों ने नगर निगम कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया।

इस मौके पर ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन के राज्य प्रधान कृष्ण शर्मा, नगरपालिका कर्मचारी संघ राज्य कार्यकारिणी सदस्य रमेश दादूपुर, जिला सचिव इंद्रजीत चनालिया, महिला विंग की प्रधान सुनीता व उर्मिला, कार्यकारिणी सदस्य सरोज, मीणा, संजय, महिंद्र,जसमेर, सुमेर चंद, प्रवेश प्रोचा व विनोद बलडी आदि मौजूद रहे।

नायब तहसीलदार, बीडीओ समेत 6 अफसर सस्पेंड

चंडीगढ़ (ममो) सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों के प्रति लापरवाही बरतने वाले अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए पानीपत के नायब तहसीलदार और बीडीओ समेत छह अफसरों व कर्मचारियों को सस्पेंड करने के आदेश जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उक्त आदेश सीएम विंडो, सोशल मीडिया ग्रीवेंस ट्रैकर की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के सुशासन प्रोग्राम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर राकेश गुप्ता एवं मुख्यमंत्री के ओएसडी भूपेश्वर दयाल ने जारी किए। समीक्षा बैठक के दौरान पानीपत जिले के रेर कलां गांव के सरपंच को गिरफ्तार करने के लिए पानीपत के पुलिस अधीक्षक को स्पेशल टीम बनाने का निर्देश दिया गया। उक्त सरपंच गांव के पंचायती फंड से 1.87 करोड़ का गबन कर फरार है। पंचायती फंड में हेराफेरी करने के ऐसे ही एक मामले में मेवात के पंचायती फंड में से फर्जी कागजों के आधार पर 1 करोड़ 60 लाख रुपये से अधिक की राशि निकालने का मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में आते ही उन्होंने बीडीओ अमित कुमार और तत्कालीन पंचायत सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया गया है। साथ ही दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का आदेश भी दिया गया। यमुनानगर के एक भ्रष्टाचार के मामले में सही तरीके से उत्तर नहीं देने के चलते पंचायती राज विभाग के नोडल अधिकारी ऋषि डांगी को राकेश गुप्ता ने तुरंत प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया।

करनाल में होटल ग्रैंड क्रिस्टल, हवेली सील होने से बचे, लाखों का प्रॉपर्टी टैक्स भरा

करनाल, (ममो) नगर निगम ने बुधवार को प्रॉपर्टी टैक्स डिफाल्टरों पर शिकंजा कसते हुए उनके प्रतिष्ठानो को सील करने व रिकवरी करने की कार्रवाई शुरू कर दी। निगम की ओर से टॉप 17 टैक्स डिफाल्टरों की सूची तैयार की गई थी, जिसमें से बुधवार को 4 डिफाल्टरों से 45 लाख 49 हजार रुपये की रिकवरी की गई।

निगम की टीम ने रेलवे रोड स्थित तलवार चौक पर होटल ग्रैंड क्रिस्टल को सील करने की कार्रवाई शुरू की। होटल पर छूट के चलते 6 लाख 96 हजार रुपये का टैक्स बकाया था। होटल मालिक को सीलिंग का नोटिस दिखाया गया। होटल को सील होने से बचाने के लिए मालिक ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट व कर अधीक्षक को चेक सौंप दिया।

टीम हांसी रोड स्थित लव-कुश कॉलोनी में कबाड़ का व्यवसाय करने वाले व्यक्ति के गोदाम पर पहुंची। इसकी ओर निगम का 8 लाख 51 हजार रुपये प्रॉपर्टी टैक्स बकाया था। टीम जब इसकी दुकान/गोदाम को सील करने लगी, मालिक द्वारा टीम के अधिकारियों को प्रॉपर्टी टैक्स के बराबर की रकम का पोस्ट डेटेड चेक सौंपा गया, जिसे निगम अपने खाते में डालकर टैक्स की रिकवरी करेगा।

निगम की टीम ने नरूला स्टील से 9 लाख 83 हजार रुपये और करनाल हवेली से 20 लाख 19 हजार रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स वसूला। सीलिंग की कार्रवाई का पता लगते ही हवेली के अकाउंटेंट ने निगम दफ्तर में आकर 20 लाख 19 हजार रुपये की डीडी जमा कराई।

निगम आयुक्त विक्रम ने बताया कि निगम के प्रयासों से अब तक करीब साढ़े 12 करोड़ खजाने में जमा हो चुके हैं। छूट के कुछ ही दिन शेष है, जिसमें बकायादार अपना प्रॉपर्टी टैक्स अदा कर सकते हैं और भारी-भरकम छूट का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

एक से दो एकड़ भूमि की रजिस्ट्री का मांगा ब्यौरा

करनाल, (म. मो.) उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रदेश में राजस्व से संबंधित रजिस्ट्रियों में पारदर्शिता के लिए बनाए गए पोर्टल से हो रहे कार्य की बुधवार को मुख्यालय से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा की और उपायुक्तों को आदेश दिए कि जो भी खामियां सामने आएं उसका निदान किया जाए। उन्होंने बताया कि जब से प्रदेश में नए सॉफ्टवेयर से रजिस्ट्रियां हो रही हैं, राजस्व में बढ़ोतरी हो रही है।

करनाल के उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने करनाल जिले में हो रही भूमि रजिस्ट्रियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि करनाल जिले में सॉफ्टवेयर के माध्यम से रजिस्ट्रियां हो रही हैं। उन्होंने सॉफ्टवेयर में होने वाली दिक्कतों के बारे में भी जानकारी दी और कहा कि लाल डोरे की जमीन में भी भूमि की आईडी मांगी जाती है, इसे सॉफ्टवेयर से बाहर किया जाए ताकि लोगों को दिक्कत न हो। उन्होंने मांग की कि लाल डोरा मुक्त गांव में भी गिरवी रखे जाने वाली जमीन के लिए भी खेवट की मांग की जाती है, इसे भी सॉफ्टवेयर से बाहर किया जाए ताकि गिरवी रखे जाते समय कोई दिक्कत न आए।

उपायुक्त ने जिले के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह मुख्यालय के निर्देशानुसार जब से नया सॉफ्टवेयर लागू होने से एक एकड़ या एक एकड़ से ज्यादा, दो एकड़ तक की जमीन की होने वाली रजिस्ट्रियों का ब्यौरा एकत्रित करें ताकि यह जानकारी मिल सके कि इस जमीन में रजिस्ट्रीधारक कोई नई कॉलोनी तो विकसित नहीं कर रहे हैं। जब भी किसी जगह की रजिस्ट्री हो, उस समय कॉलोनी की लिस्ट व कलेक्टर रेट की लिस्ट भी ऑनलाइन होनी चाहिए।

दुष्यंत चौटाला की निजी जिन्दगी में किसान नहीं, खान मार्केट है

ठंड में बैठे किसानों को भूलकर उनके लिए ट्रैक्टर चलाने वाले डिप्टी सीएम पत्नी के साथ शॉपिंग करते पाए गए

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: किसी नेता या मंत्री कि निजी जिन्दगी में मीडिया को झांकने का हक वैसे तो नहीं है लेकिन अगर कोई मंत्री या नेता कुछ ज्यादा ही किसान हितैषी होने का दावा करे तो उसकी निजी जिन्दगी में झांकने का हक मीडिया को है। हम बात कर रहे हैं हरियाणा के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की।

जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) सुप्रीमो दुष्यंत चौटाला मंगलवार शाम नई दिल्ली की खान मार्केट में पत्नी के साथ शॉपिंग करते पाए गए। नई दिल्ली का खान मार्केट वो इलाका है जहां रईस लोग आकर शॉपिंग करते हैं और खूब पैसा लुटाते हैं। दुष्यंत का अपनी पत्नी के साथ खान मार्केट में शॉपिंग करना अपराध नहीं है, लेकिन ये साहब ठीक एक दिन पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से हरियाणा में एनएचएआई के प्रोजेक्ट पर बात करने के लिए मिलते हैं और जनता और मीडिया को बताते हैं कि मैं गडकरी से किसानों की समस्याओं पर बात करने गया था। हकीकत ये है कि जिन किसानों के दम पर चौटाला खानदान राजनीति में जिन्दा हुआ, वो सत्ता पाने के बाद उन्हीं किसानों को भूल गया। यही हमने देवीलाल के वक्त देखा, यही हमने ओमप्रकाश चौटाला के वक्त देखा और अब यही दुष्यंत चौटाला के वक्त में भी हो रहा है।

हरियाणा के सत्ता की चाबी दुष्यंत चौटाला और उनकी पार्टी के पास है। ये लोग चाहते तो किसानों के इतने बड़े मुद्दे पर हरियाणा में खट्टर सरकार को गिराकर हरियाणा में हमेशा के लिए किसान वोट बैंक को कब्जे में कर लेते। अकालियों ने ड्रामे के तौर पर ही सही एनडीए से अलग होकर अपना प्रभाव जताने और पंजाब की किसान लॉबी को कब्जे में करने के लिए पहल कर दी। पुराने लोगों को याद होगा कि 1986-87 में चौधरी देवीलाल ने किसान के लिए न्याय युद्ध छेड़कर कांग्रेस को प्रदेश की सत्ता से उखाड़ फेंका था। उस समय किसानों का कर्जमाफी सबसे बड़ा मुद्दा देवीलाल ने ही बनाया था। जिसे बाद में भाजपा हर राज्य में चुनाव के वक्त भुनाती है।

नई दिल्ली की खान मार्केट में पत्नी के साथ शॉपिंग करते डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला

खान मार्केट में घूम रहे दुष्यंत चौटाला के इस फोटो को देखिए और मजदूर मोर्चा में छपे दुष्यंत के उस फोटो को याद कीजिए जब यही दुष्यंत किसानों के समर्थन में ट्रैक्टर चलाते हुए संसद भवन तक आ गए थे। आज वही दुष्यंत भीषण ठंड में सिंघू और टीकरी बॉर्डर पर बैठे किसानों का हालचाल जानने के लिए जरा भी उतावला नहीं है।

हैरानी होती है कि मौजूदा किसान आंदोलन के लिए दुष्यंत वही भाषा बोल रहे हैं जो भाजपा के तमाम मंत्री और नेता बोल रहे हैं कि किसानों को वामपंथियों ने गुमराह कर रखा है....किसान टुकड़े-टुकड़े गैंग है....किसान खालिस्तानी हैं...किसान पाकिस्तानी है....किसान चीनी हैं....किसान माओवादी हैं।

एक तरफ दुष्यंत के पिता एमएसपी पर कानून की मांग केन्द्र सरकार से करते हैं लेकिन उन्होंने या दुष्यंत ने एक बार भी भाजपा की इस बात पर आलोचना नहीं कि किस बेहूदगी से भाजपाई देश के किसानों का अपमान कर रहे हैं।

मजदूर मोर्चा यह फिर स्पष्ट करना चाहता है कि दुष्यंत की निजी जिन्दगी में झांकने में हमारी कोई दिलचस्पी नहीं है। लेकिन किसानों की तरफ से जिस तरह चौटाला खानदान ने नजरें फेर ली हैं वह असहनीय है। इन हालात में ऐसी फोटो हमारे किसानों को मुंह चिढ़ाते हैं।

किसानों के समर्थन में खुलकर आए दीपेन्द्र सिंह हुड्डा

करनाल, (ममो): किसान आंदोलन के समर्थन में राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा खुलकर सामने आ गए हैं। उन्होंने हरियाणा की ओर से किसानों के लिए लगाए लंगर में न सिर्फ शिरकत की, बल्कि वह सिंघड़ा स्थित नानकसर गुरुद्वारे में संत राम सिंह के अंतिम दर्शन करने भी पहुंचे। दीपेन्द्र के आने की वजह से सारे कांग्रेसी, किसान आंदोलन के पीछे लामबंद हो गए हैं।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि संत बाबा राम सिंह जी और शहीद किसानों ने जो कुर्बानी दी है वो व्यर्थ नहीं जायेगी। किसानों के साथ सरकार जिस तरह का व्यवहार कर रही है उससे हर कोई दुखी है। उन्होंने आगे कहा कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि देश का अन्नदाता अपनी जान गँवा रहा है, लेकिन सरकार संवेदनहीन बनी हुई है। सरकार ये न सोचे कि अगर किसानों की मांग मान लेगी तो उसकी हार होगी। प्रजातंत्र में हठधर्मिता का कोई स्थान नहीं है। सरकार अपनी जिद छोड़ और बड़ा दिल दिखाए। राजहठ छोड़े और राजधर्म के रास्ते पर चले।

इससे पूर्व हुड्डा एआईसीसी के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ललित बुटाना के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गांव बुटाना की ओर से दिल्ली आंदोलन में आने-जाने वाले हरियाणा-पंजाब के किसानों के लिए लगाए गए लंगर में पहुंचे ।

इस मौके पर दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि अब किसानों का यह आंदोलन नाजुक मोड़ पर पहुंच गया है। अब दो राज्यों का ही नही बल्कि पूरे देश का किसान एकजुट है और आम आदमी के साथ-साथ व्यापारी संगठनों के अलावा दुकानदारों का भी समर्थन किसानों को मिल रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार को चाहिए कि तीनों कानूनों को जल्द से जल्द वापिस लें।

हुड्डा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ललित बुटाना की ओर से किसानों के लिए लगाए गए लंगर और सेवाभाव के कार्यों की सराहना की।

इस मौके पर ललित बुटाना ने कहा कि जब तक किसानों का आंदोलन जारी रहेगा, तब तक यहां पर किसानों के लिए लंगर की सेवा चलती रहेगी। इस अवसर पर लाडवा के विधायक मेवा सिंह, हरमहिन्द्र सिंह चट्टा, भीमसेन मेहता, वरिष्ठ नेता अमरजीत धीमान, वीरभान शर्मा, पूर्व सरपंच हुक्म सिंह, किसान यूनियन के प्रधान राजिंद्र, सुकमर पाल एडवोकेट, रणधीर बुटाना, सुभाष संडीर, फतेह सिंह, प्रदेश संयोजक समेत कई किसान नेता मौजूद रहे।

बाबा राम सिंह शहीद शुक्रवार को पंचतत्व में विलीन हो गये, इस मौके पर हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, दीपेन्द्र हुड्डा और बीबी जागीर कौर पहुंचे।

बाबा राम सिंह शहीद के अंतिम दर्शन में भारी भीड़

करनाल जिले के सिंगड़ा गांव के नानकसर गुरुद्वारे में किसान आन्दोलन के पक्ष में शहीद हुए संत बाबा राम सिंह के अंतिम दर्शन के लिए तांता लगा रहा। गुरुवार को उनके अंतिम दर्शन के लिए नानक सर गुरुद्वारे में उनका पार्थिव शरीर रखा गया। उनके अंतिम दर्शन करने के लिए पंजाब सरकार के 2 कैबिनेट मंत्री गुरप्रीत सिंह कांगड और तृप्त राजेन्द्र सिंह बाजवा भी करनाल पहुंचे। उन्होंने बाबा राम सिंह के अंतिम दर्शन किए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। पंजाब के दोनों मंत्रियों ने कहा कि हालात बिगड़ते जा रहे हैं और मोदी की केंद्र सरकार अपनी जिद को छोड़े और जो किसानी को नुकसान करने का काम है उसे ठीक करे।

एक थे बाबा राम सिंह शहीद और एक है महा ठग गुरू लाला रामदेव

वर्तमान समय में हमारे सामने दो बाबाओं का चरित्र मौजूद है। एक तरफ बाबा राम सिंह शहीद है जिन्होंने किसानों के लिए अपना बलिदान दे दिया और दूसरी तरफ महा ठग गुरू लाला रामदेव है जो रामलीला मैदान से सलवार पहन कर भागा था। रामदेव ने रामलीला मैदान में ब्लैक मनी वापिस लाये जाने के लिए सम्मेलन बुलाया था। लेकिन दिल्ली पुलिस ने जब वहां छापा मारा तो वह भाग खड़ा हुआ। उसके चहेते प्रधानमंत्री मोदी आज तक विदेशों से ब्लैकमनी वापस नहीं ला पाये।